वर्ष : 16 अंक : 324 लखनऊ रविवार, 1 दिसंबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मौसम
सूर्योदय
सूर्यास्त
अधिकतम
न्यूनतम

नगर संस्करण ••

संतुलित उर्वरकों के प्रयोग से खेती में लागत कम व उत्पादन अधिक

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। खेती करने में लागत कम आए और फसल अधिक हो इसके लिए संतुलित उर्वरकों का प्रयोग अवश्य होना चाहिए। यही नही परम्परागत की बजाय तकनीकी पद्धति से खेती किसानों की आय में वृद्धि करने की सहायक होती है। ये बातें शनिवार को जाने माने कृषि वैज्ञानिक डा.खलील खान ने कृषि सूचना तंत्र के सुद्रढीकरण के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कृषि गोष्ठी के मुख्य अतिथीय वक्तव्य में कहे। कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषि सूचना तंत्र के सुद्रढीकरण एवं किसान जागरूकता अभियान के तहत रबी गोष्ठी का ब्लॉक स्तरीय आयोजन विकासखंड परिसर सरवनखेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डा. खलील खान ने आगे कहा कि रबी फसलें जैसे गेहूं, जौं सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए।जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथा कृषि लागत कम आए।उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। डॉक्टर ख़ान ने किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर जोर दिया।

कृषि गोष्ठी की अध्यक्षता विमल सचान सहायक विकास अधिकारी ने की। उन्होंने किसानों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई नवीन तकनीकों को जरूर अपनाएं। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो।

भोगनीपुर जागरण

जैविक खाद फसल के लिए सबसे बेहतर, करें प्रयोग

जागरण टीम, कानपुर देहात : किसान जैविक खाद का प्रयोग करें जो कि फसलों के लिए सबसे बेहतर है और इसके लिए बहुत रुपये भी नहीं लगते हैं। रसायन का प्रयोग करने से बचें क्योंकि हमें अनाज को भी अच्छा रखना है। यह बातें कृषि विज्ञानियों ने झींझक व सरवनखेड़ा ब्लाक में हुई गोष्ठी में कही।

झींझक व सरवनखेड़ा ब्लाक में हुई गोष्ठी में दी गई जानकारी रासायनिक खादों के प्रयोग से जमीन हो रही क्षारीय

किसान गोष्ठी में कृषि विज्ञानी ओमप्रकाश ने कहा कि किसान द्वारा खेतों में रासायनिक खादों के प्रयोग से जमीन क्षारीय हो रही है जिससे भविष्य में ऊसर होने का खतरा है। 2 सौ लीटर पानी के ड्रम में देशी गाय को 20 लीटर मूत्र, 20 किलो गोबर, दो किलो बेसन व 250 ग्राम पीपल के वृक्ष के नीचे की मिट्टी मिला कर तीन से पांच मिनट तक रखने के बाद यह जैविक खाद जीवामृत बन जाती है। इसे फसल में छिड़काव करने से फसल अच्छी होती है और जैविक खाद से उत्पन्न सब्जियों व अन्न का सेवन करने से बीमारियां भी नहीं होती है। इस प्रकार बनाई गई जैविक खाद दो सौ रुपया प्रति लीटर बिकता है। कृषि विज्ञानी ऋषिकेश अवस्थी ने कहा कि रबी की फसल की बोआई के पूर्व खेतों की जुताई कर खरपतवार हटा दे तथा पौधे उगने के बाद जिंक का प्रयोग करें। प्रभारी बीज भंडार कमलेश कुमार, एडीओ कृषि बालकृष्ण, एडीओ रक्षा इकाई रामकुमार, अखिलेश दुबे, संजय मिश्र, विवेक दुबे किसान विनोद दुबे, अजीत चौबे, हरिश्चंद्र मौजूद रहे।

झींझक में जानकारी देते कृषि विज्ञानी ओमप्रकाश। जागरण

वहीं सरवनखेड़ा ब्लाक में कृषि विज्ञानी डा.खलील खान ने रबी फसलें जैसे गेहूं, जौ, सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। कहा कि प्रत्येक किसान को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथ कृषि लागत कम आए उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। सहायक विकास अधिकारी विमल सचान ने भी संबोधित किया। कहा नवीन तकनीकों को जरूर अपनाएं।

पशु चिकित्साधिकारी डा. अंकुर श्रिवास्तव ने पशुओं के टीकाकरण एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी।क्षेत्रीय प्रगतिशील किसान अमित सिंह ने किसानों को सदैव उन्नतशील बीजों के प्रयोग अधिक उपज प्राप्त करने के लिए सलाह दी। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रद्युम्न यादव, रोहित वर्मा, अजीत, मुकेश, विकास मौजूद रहे।

कृषि गोष्ठी में किसानों को जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक। • हिन्दुस्तान

सेमिनार में किसानों को बताए बेहतर उत्पादन के गुर

हिंदुस्तान कानपुर दे.01/12/2024

सरवनखेड़ा/झींझक संवाददाता। रबी गोष्ठी का ब्लॉक स्तरीय आयोजन ब्लॉक परिसर सरवनखेड़ा व झींझक में आयोजित किया गया। इसमें किसानों को बेहतर उत्पादन के साथ ही फसल सुरक्षा और आय बढ़ाने के तरीके बताये गये।

सरवनखेड़ा में कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने रबी फसलें जैसे गेहूं, जौं सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए। जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथा कृषि लागत कम आए। उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। कृषि गोष्ठी की अध्यक्षता एडीओ विमल सचान ने की। कृषि वैज्ञानिक डा.ओम प्रकाश शर्मा ने पराली प्रबंधन,डी कम्पोजर का उपयोग, मृदा स्वास्थ,डा.रिषीकेश ने रवी फसल मे संतुलित उर्वरक जैविक उर्वरक परम्परागत खेती,जैविक कीटनाशक कीट रोग पर चर्चा की।

अंक-267 कानपुर, रविवार 1 दिसम्बर 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर दिया जोर

आज का कानपुर

कानपुर । कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषि सूचना तंत्र के सुद्रणीकरण एवं किसान जागरूकता अभियान के तहत रबी गोष्ठी का ब्लॉक स्तरीय आयोजन विकासखंड परिसर सरवनखेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने रबी फसलें जैसे गेहूं, जौं सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी डॉक्टर खान ने बताया कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए।जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथा कृषि लागत कम आए उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। डॉक्टर ख़ान ने किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर जोर दिया। कृषि गोष्ठी की अध्यक्षता विमल सचान सहायक विकास अधिकारी ने की। उन्होंने किसानों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई नवीन तकनीकों को जरूर अपनाएं जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो पशु चिकित्साधिकारी डॉक्टर अंकुर प्रियदर्शी ने पशुओं के टीकाकरण एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी क्षेत्रीय प्रगतिशील किसान अमित सिंह ने किसानों को सदैव उन्नतशील बीजों के प्रयोग अधिक उपज प्राप्त करने के लिए सलाह दी सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रद्युम्न यादव ने किसान हितैषी विभिन्न प्रकार की कृषि योजनाओं की जानकारी दी इस अवसर पर कृषि विभाग के रोहित वर्मा, अजीत,मुकेश, विकास सहित प्रशासशील किसान विजय कटियार, हर गोविंद सहित अन्य क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

अमर उजाला कानपुर दे.01/12/2024

फसल लागत घटाकर किसान कमा सकते हैं मुनाफा

सरवनखेड़ा। ब्लॉक सभागार में शनिवार को कृषि सूचना तंत्र सुदृढ़ीकरण व किसान जागरूकता कार्यक्रम के तहत रबी गोष्ठी आयोजित की गई। यहां कृषि वैज्ञानिकों ने फसल लागत घटाने के गुर बताए।

कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने रबी सीजन की गेहूं, जौं, सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिट्टी की जांच कराकर जरूरत के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। इससे कृषि लागत घटेगी तो मुनाफा होगा। रबी फसलों में लगने वाले कीट व रोग प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर जोर दिया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर प्रियदर्शी ने पशुओं के टीकाकरण एवं बीमारी से बचाव की जानकारी दी। कहा कि दुधारू मवेशियों को बांधने का स्थान सूखा होना चाहिए। यहां किसान अमित ने उन्नतशील बीजों के बारे में बताया।

सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रद्युम्न यादव ने योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विभाग के रोहित वर्मा, अजीत, मुकेश, विकास, प्रगतिशील किसान विजय कटियार, हरगोविंद, राजा सिंह, अशोक कुमार, रमाकांत मिश्रा आदि रहे। (संवाद)

उद्योग नगरी टाइम्स
हिन्दी दैनिक

कृषि सूचना तंत्र के सुद्रणीकरण के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कृषि गोष्ठी का किया गया आयोजन

01/12/2024

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषि सूचना तंत्र के सुद्रणीकरण एवं किसान जागरूकता अभियान के तहत रबी गोष्ठी का ब्लॉक स्तरीय आयोजन विकासखंड परिसर सरवनखेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने रबी फसलें जैसे गेहूं, जौं सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए।जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथा कृषि लागत कम आए।उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। डॉक्टर ख़ान ने किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर जोर दिया। कृषि गोष्ठी की अध्यक्षता विमल सचान सहायक विकास अधिकारी ने की। उन्होंने किसानों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई नवीन तकनीकों को जरूर अपनाएं। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंकुर प्रियदर्शी ने पशुओं के टीकाकरण एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी। क्षेत्रीय प्रगतिशील किसान अमित सिंह ने किसानों को सदैव उन्नतशील बीजों के प्रयोग अधिक उपज प्राप्त करने के लिए सलाह दी। सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रद्युम्न यादव ने किसान हितैषी विभिन्न प्रकार की कृषि योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के रोहित वर्मा, अजीत,मुकेश, विकास सहित प्रशासशील किसान विजय कटियार, हर गोविंद सहित अन्य क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश 01/12/2024 कानपुर/ शाहजहांपुर/ उन्नाव

कृषि सूचना तंत्र के सुद्रणीकरण के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कृषि गोष्ठी का किया गया आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर। कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषि सूचना तंत्र के सुद्रणीकरण एवं किसान जागरूकता अभियान के तहत रबी गोष्ठी का ब्लॉक स्तरीय आयोजन विकासखंड परिसर सरवनखेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने रबी फसलें जैसे गेहूं, जौं सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए।जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथा कृषि लागत कम आए।उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। डॉक्टर खान ने किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर जोर दिया। कृषि गोष्ठी की अध्यक्षता विमल सचान

सहायक विकास अधिकारी ने की। उन्होंने किसानों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई नवीन तकनीकों को जरूर अपनाएं। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंकुर प्रियदर्शी ने पशुओं के टीकाकरण एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी। क्षेत्रीय प्रगतिशील किसान अमित सिंह ने किसानों को सदैव उन्नतशील बीजों के प्रयोग अधिक उपज प्राप्त करने के लिए सलाह दी। सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रद्युम्न यादव ने किसान हितैषी विभिन्न प्रकार की कृषि योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के रोहित वर्मा, अजीत,मुकेश, विकास सहित प्रशासशील किसान विजय कटियार, हर गोविंद सहित अन्य क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 159 कानपुर, रविवार 01 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

अधिक प्रसारित किये जाने हेतु भी अनुरोध किया गया।

किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर दिया जोर

कानपुर । कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषि सूचना तंत्र के सुद्रणीकरण एवं किसान जागरूकता अभियान के तहत रबी गोष्ठी का ब्लॉक स्तरीय आयोजन विकासखंड परिसर सरवनखेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने रबी फसलें जैसे गेहूं, जौं सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथा कृषि लागत कम आए उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। डॉक्टर खान ने किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर जोर दिया। कृषि गोष्ठी की अध्यक्षता विमल सचान सहायक विकास अधिकारी ने की। उन्होंने किसानों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई नवीन तकनीकों को जरूर अपनाएं। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंकुर प्रियदर्शी ने पशुओं के टीकाकरण एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी। क्षेत्रीय प्रगतिशील किसान अमित सिंह ने किसानों को सदैव उन्नतशील बीजों के प्रयोग अधिक उपज प्राप्त करने के लिए सलाह दी। सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रद्युम्न यादव ने किसान हितैषी विभिन्न प्रकार की कृषि योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के रोहित वर्मा, अजीत,मुकेश, विकास सहित प्रशासशील किसान विजय कटियार, हर गोविंद सहित अन्य क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 06 अंक : 224

देहरादून, रविवार, 01 दिसंबर 2024

कृषि सूचना तंत्र के शुद्रणीकरण के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कृषि गोष्ठी का किया गया आयोजन

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषि सूचना तंत्र के सुद्रणीकरण एवं किसान जागरूकता अभियान के तहत रबी गोष्ठी का ब्लॉक स्तरीय आयोजन विकासखंड परिसर सरवनखेड़ा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने रबी फसलें जैसे गेहूं, जौं सरसों, चना, मटर, मसूर आदि के प्रबंधन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराना चाहिए।जिससे संतुलित उर्वरकों का प्रयोग हो सके तथा कृषि लागत कम आए।उन्होंने रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी। डॉक्टर ख़ान ने किसानों को परंपरागत खेती के बजाय तकनीकी पद्धति से खेती करने पर जोर दिया। कृषि गोष्ठी की अध्यक्षता विमल सचान सहायक विकास अधिकारी ने की। उन्होंने किसानों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई नवीन तकनीकों को जरूर अपनाएं। जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हो। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंकुर प्रियदर्शी ने पशुओं के टीकाकरण एवं रोग प्रबंधन की

जानकारी दी। क्षेत्रीय प्रगतिशील किसान अमित सिंह ने किसानों को सदैव उन्नतशील बीजों के प्रयोग अधिक उपज प्राप्त करने के लिए सलाह दी। सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रद्युम्न यादव ने किसान हितैषी विभिन्न प्रकार की कृषि योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के रोहित वर्मा, अजीत,मुकेश, विकास सहित प्रशासशील किसान विजय कटियार, हर गोविंद सहित अन्य क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।